

## पैरोल / फर्ली

- हाल ही में पैरोल और फर्ली को लेकर विवाद उत्पन्न हुए हैं।
- यह उल्लेखनीय है कि जेल का विषय राज्यसूची में शामिल होता है इसलिए राज्य सरकारों के द्वारा पैरोल / फर्ली के नियम बनाये जाते हैं।
- जिसके दुरुपयोग की शिकायते बार-बार की जाती हैं।

पैरोल की विशेषता / आधिप्राय निम्नालिखित हैं:-

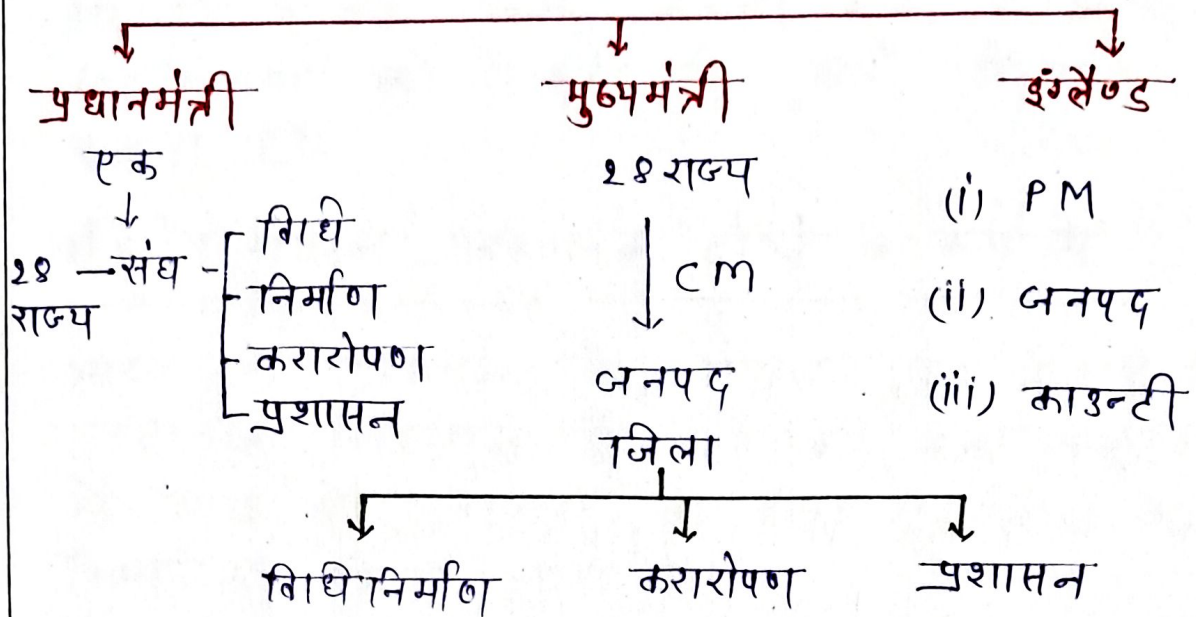
- यह कैदी का आधिकार नहीं है
- छोटे समय के लिए पाण्डित व्याप्ति को पैरोल दिया जाता है।
- सामान्यतः पैरोल 1 महीने तक के लिए दिया जा सकता है और इसे कई बार दिया जा सकता है।
- जितने दिन कोई कैदी कोई पैरोल प्राप्त करता है यह उस व्याप्ति को प्राप्त सजा में कम नहीं किया जाता।
- पैरोल देने के लिए कोई विशेष कारण होना चाहिए जैसे किसी का परिवार बीमार हो, शादी हो या कोई परीक्षा हो।

## फर्ली

- यह कैदी का अधिकार होता है जो लम्बे समय के सजा में दिया जाता है जैसे आजीवन कारावास।
- यह अधिकतम 14 दिन के लिए दिया जा सकता है।
- इसके लिए कोई कारण बताने की आवश्यकता नहीं होती और कैदी के द्वारा फर्ली के अन्तर्गत जो समय बिताया जाता है उसे सजा में ही गिना जाता है।



## संघीय शासन (Federal Government)



## भारत में संघीय शासन अपनाने के कारण

### संघीय शासन का दर्शन

- भारतीय समाज न केवल सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है अपितु यह सर्वाधिक विविधतापूर्ण भी है इसी बहुलता व विविधता के संरक्षण के लिए संघीय शासन अपनाया गया।
- संघीय शासन के ही द्वारा भारत की क्षेत्रीय आकांक्षाओं का राष्ट्रीय एकता अखण्डता का समन्वय किया गया।
- संघीय शासन के माध्यम से लोकतांत्रिक शासन का विकेन्द्रीकरण किया जाता है और 28 राज्य केवल पृथक् प्रशासनिक और भौगोलिक इकाईयों नहीं हैं।

आपितु एक सांस्कृतिक इकाई भी है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण समाज में एकता का आशय एकता समाप्त करना नहीं है आपितु विविधताओं को एकता के धागे से बांधे रखना है।

### संघीय शासन प्रशासनिक ढाँचे के रूप में

- भारत में प्रशासन के संचरण का मूलभूत दस्तावेज संविधान है जिसकी ३११ अनुच्छेदों में संघ और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन किया गया है।

- इसी शक्ति विभाजन के अनुसार शक्ति की साझेदारी (Sharing of Power) निर्मित की गयी है क्योंकि भारत के भू-भाग में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों की समानांतर शक्तियाँ विद्यमान हैं, क्योंकि संघीय शासन में दोनों एक दूसरे के समकक्ष और स्वायत्त हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों को शक्तियाँ संविधान से प्राप्त होती हैं।

- संघीय शासन में शक्ति विभाजन को सुनिश्चित करने के लिए लिखित संविधान का प्रावधान है।

- जहाँ भी शक्ति का विभाजन होगा वहाँ संघ और राज्य के बीच अथवा विभिन्न राज्यों के बीच विवाद होना भी संभव है जिनके समाधान के लिए एक स्वतंत्र न्यायालय का भी प्रावधान किया गया ।